उछाल ▶ यूपी में एक्स-फैक्ट्री भाव 400-450 रुपये प्रति क्विंटल बढ़े

उत्पादन में कमी और निर्यात को बढ़ावा देने से महंगी होने लगी चीनी

आर एस राणा ▶ **नई दिल्ली...**

केंद्र सरकार द्वारा रॉ-शुगर के निर्यात पर इंसेंटिव देने के साथ ही चीनी के उत्पादन अनुमान में कटौती से कीमतों में तेजी आई है। महीनेभर में उत्तर प्रदेश में चीनी की एक्स-फैक्ट्री कीमतों में 400-450 रुपये की तेजी आकर भाव 3,200-3,250 रुपये प्रति क्विंटल हो गए। गर्मियों का सीजन शुरू होने से चीनी की मांग पहले की तुलना में बढ़ेगी, जिससे मौजूदा कीमतों में और भी 100 से 150 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी आने की संभावना है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के महानिदेशक अबिनाश वर्मा का कहना है कि महीने भर में चीनी की एक्स-फैक्ट्री कीमतें 2,800 रुपये से बढ़कर 3,200 से 3,250 रुपये प्रति क्विंटल तो हो गई है लेकिन कीमतें अभी भी लागत से कम हैं। उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों को 3,500 से 3,600 रुपये प्रति क्विंटल की लागत आ रही है। उन्होंने बताया कि चालू पेराई सीजन में करीब 20 लाख टन रॉ-शुगर का निर्यात होने का अनुमान है जिसमें से अभी तक लगभग 16 लाख टन के निर्यात सौदे हो चुके हैं

193 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ 15 मार्च तक

250 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था पिछले सीजन में

211 लाख टन उत्पादन हुआ पिछले साल समान अवधि में

333 रुपये प्रति क्विंटल सब्सिडी रॉ शुगर के निर्यात पर

238 लाख टन कुल उत्पादन होने का अनुमान है चालू सीजन में

16 लाख टन रॉ शुगर निर्यात के सौदे हुए मौजूदा सीजन में

चीनी का निर्यात रोकना चाहिए: सर्वे

प्रेट्र ▶ **नई दिल्ली...** एचएसबीसी के एक सर्वे में कहा गया है कि भारत को चीनी का निर्यात बंद कर देना चाहिए क्योंकि देश में चीनी का दीर्घकालिक उत्पादन घरेलू मांग के बराबर रह सकता है और उत्पादन लागत दूसरे देशों के मुकाबले बढ़ गई है। ग्लोबल एग्रीकल्चरल कमोडिटीज नाम के इस सर्वे के अनुसार चीनी की उत्पादन लागत ब्राजील में सबसे कम 17 सेंट प्रति पाउंड है। जबकि भारत में लागत 40 फीसदी ज्यादा है। इस वजह से पिछले दो दशकों में ब्राजील से चीनी का निर्यात तेजी से बढ़ा। भारत को चीनी का निर्यात बंद कर देना चाहिए क्योंकि दीर्घकालिक उत्पादन यहां की घरेलू मांग के बराबर ही रहने की संभावना है।

हालांकि विश्व बाजार में दाम कम होने से निर्यात सौदों में पहले की तुलना में कमी आई है। उन्होंने बताया कि गर्मियों का सीजन शुरू होने से आगामी दिनों में चीनी की मांग बढ़ेगी, जिससे दाम सुधरने की उम्मीद है। एसएनबी इंटरप्राइजेज के प्रबंधक सुधीर भालोठिया ने बताया कि चालू पेराई सीजन में चीनी के उत्पादन अनुमान में 12 लाख टन की कमी आकर कुल उत्पादन 238 लाख टन होने का अनुमान है। साथ ही केंद्र सरकार रॉ-शुगर के निर्यात पर 333 रुपये प्रति क्विंटल की सब्सिडी दे रही है जिससे चीनी कीमतों में तेजी आई है। आगामी पेराई सीजन में चीनी के उत्पादन अनुमान का उत्पादन और भी 10 फीसदी कम होने की संभावना है। ऐसे में आगामी दिनों में चीनी की मौजूदा कीमतों में ओर भी 100 से 150 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी आने का अनुमान है। दिल्ली में बुधवार को चीनी के थोक दाम बढ़कर 3,400 रुपये प्रति क्विंटल हो गए।

इस्मा के अनुसार चालू पेराई सीजन 2013-14 (अक्टूबर से सितंबर) के दौरान 15 मार्च तक देश में 193.8 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है जबकि पिछले साल की समान अवधि में 211 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था।

Business Bhaskar
20/3/14